Great National Achievement

Date: 26.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

Ghaziabad : वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2024 को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज़ कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है - ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है।

इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरुआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है।

यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

क्विज़ कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Uday Bhoomi Samvaddata

Date: 26.07.2024

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

-नुक्कड़ नाटक एवं क्विज प्रतियोगिता में बीडीएस के विद्यार्थियों ने किया जागरूक

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है- ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है।

Sign: __________ Dental Library

__________ Director- Principal

विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीड़ित है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरुआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैकल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख में किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। क्विज कम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मोहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Dhara News Samvaddata

Date: 27.07.2024

विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

धारा न्यूज संवाददाता, गाजियाबाद

वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2024 को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज़ कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है – ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरुआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है।इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। क्विज़ कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Krishna Ujjala Samvaddata

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2024 को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है - ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरूआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। क्विज कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Athah Samvaddata

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

नुक्कड़ नाटक

- पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो पांच प्रकार के वायरस है- ए, बी, सी, डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब चार करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है।

इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरूआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है।

यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डा. अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

क्विज कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Hint

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का हुआ आयोजन

मुरादनगर (हिन्ट)। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। हेपटाइटिस को लेकर विशेषज्ञो की ओर से बीमारियों व उनसे सावधानी बरतने की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी अर्शी की मौजूदगी में बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने पेश किया।

Sign: __________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटिशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है- ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है।

इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरूआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है।

यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैकल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।क्विज कॉम्पीटिशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Hind Atma Samvaddata

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 26 जुलाई को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है,जिसके 5 प्रकार के वायरस हैं। इनमें एबीसीडी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीड़ित हैं। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरूआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। क्विज कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Pahal Today

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

पहल टुडे

गाजियाबाद। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है - ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीड़ित है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरूआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैकल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। क्विज कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Hindustan Hindi

Page No.02 (Gzb) Date: 27.07.2024

हैपेटाइटिस दिवस पर अभियान चलाया

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कालेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जागरुकता अभियान चलाया। अभियान के तहत माइक्रोबायोलाजी विभाग डा अर्शी नफीस के नेतृत्व में छात्रो ने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक के छात्रों ने कथा के माध्यम से बीमारी के कारण, प्रकार, लक्षण व बचाव के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

Sign: __________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Ten News (Pari Chowk)

Date: 26.07.2024

ईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

टेन न्यूज़ नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा (26 जुलाई 2024): वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2024 को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज़ कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है – ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है।

Sign: ____________ ______________________

इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरुआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है।

यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

क्विज़ कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Uday Bhoomi Samvaddata

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

नुक्कड़ नाटक एवं क्विज प्रतियोगिता में बीडीएस के विद्यार्थियों ने किया जागरूक

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है- ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीड़ित है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरूआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैकल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख में किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। क्विज कम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मोहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Shah Times Samvaddata

Date: 27.07.2024

आईटीएस में हुआ विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है - ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरो. सिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है।

इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरुआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है।

इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। क्विज कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani

Page No.06 (Gzb) Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये।कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर

हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।क्विज कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Yug Karvat

Date: 27.07.2024

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

गाजियाबाद (युग करवट)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है-ए, बी, सी, डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरुआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। क्विज कॉम्पीटीशन में विशाल मुदगिल, मौहम्मद शोएब, ममता शर्मा और अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Sign: ___________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Vartman Satta

Date: 27.07.2024

मुरादनगर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में

विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

वर्तमान सत्ता

मुरादनगर। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2024 को नुक्कड़ नाटक एवं क्विज कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी हेपेटाइटिस वायरस से होती है जो 5 प्रकार के वायरस है – ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। विश्व में करीब सात करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से तथा भारत में करीब 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीडित है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है इसलिए शुरुआत में ही इसकी रोकथाम पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिये। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित खानपान के द्वारा होता है। बाकी सब वायरस कई प्रकार के मानव द्रवों के द्वारा होता है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम टीकाकरण से की जा सकती है। इसके लिए सही जानकारी, इलाज के औजारों का सही, सुरक्षित एवं प्रभावी टीकाकरण, अत्याधिक आधुनिक ब्लड बैंक, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई का उपयोग इत्यादि है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना है। इसके साथ ही सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के उद्देश्य को पूरा कर 2030 से पहले इस बीमारी पर जीत हासिल करना है। यह कार्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी की फैक्ल्टी डॉ अर्शी नफीस की देखरेख मे किये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के बीडीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर लेक्चर प्रस्तुत किये तथा इसके साथ ही संस्थान के बीडीएस के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। क्विज कॉम्पीटीशन मे डॉ विशाल मुदगिल, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ अर्शी नफीस की निर्णायक टीम ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर–प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: ___________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**